



**MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY
OF JOURNALISM AND COMMUNICATION**

// NALANDA CENTRAL LIBRARY //

-. NEWS CLIPPING SERVICE -.

DATE :- 15 OCTOBER, 2026

विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोह मन

■ हिंदी परिवार का एमसीयू
महोत्सव-2026 संपन्न

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में हिंदी परिवार के तत्वावधान में आयोजित एमसीयू महोत्सव-2026 साहित्य, संगीत और संस्कृति के रंगों के बीच संपन्न हुआ। गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। हिंदी परिवार के संस्थापक ओमकार अवस्थी ने अतिथियों का स्वागत



किया। कवि सम्मेलन में अजहर इकबाल, मणिका दुबे, रामायण धर द्विवेदी, सूरज राय सूरज और कर्नल संजय चतुर्वेदी ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। अजहर इकबाल की कविता में आत्मशक्ति का संदेश था, जबकि मणिका दुबे की पंक्तियों ने अकेलेपन का भाव

उभारा। सूरज राय सूरज की रचना ने श्रोताओं को भावुक कर दिया। महोत्सव में विद्यार्थियों ने गायन, नृत्य, वाद्ययंत्र, अभिनय, समूह संगीत और मंच परिधान प्रदर्शन की प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर युवा कवि रामायण धर द्विवेदी का जन्मदिन भी मनाया गया।

कवि सम्मेलन के साथ हिन्दी परिवार का एमसीयू महोत्सव: 2026 संपन्न तैरने को समुद्र नहीं चाहिए, उड़ने वालों को अंबर नहीं चाहिए...



स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में हिन्दी परिवार के तत्वावधान में आयोजित एमसीयू महोत्सव-2026 साहित्य, संगीत और संस्कृति के विविध रंगों के साथ संपन्न हुआ। गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। हिन्दी परिवार के संस्थापक ओमकार अवस्थी ने अतिथियों का स्वागत किया। महोत्सव में प्रख्यात कवि अजहर इकबाल, मणिका दुबे, रामायण धर द्विवेदी, सूरज राय सूरज और कर्नल

संजय चतुर्वेदी ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर किया। कवियों की प्रस्तुतियों में भक्ति, जीवन की संवेदनाएं और सामाजिक परिस्थितियों की झलक देखने को मिली। अजहर इकबाल ने दुर्गा के स्वरूप में स्वयं शक्ति बनने का संदेश देते हुए कहा, खुद तुम्हें दुर्गा के अवतार में ढलना होगा, घोर कलियुग है, कन्हैया नहीं आने वाला। वहीं, मणिका दुबे की रचना शहर के शोर में वीरानियां हैं, यहां तुम हो मगर तन्हाइयां हैं ने श्रोताओं को भावुक कर दिया। रामायण धर द्विवेदी ने रामभक्ति से ओतप्रोत पंक्तियां व्यग्रता, अवसाद, पीड़ा सब हरेंगे राम जी प्रस्तुत कीं। सूरज राय सूरज की रचना जिस मंदिर से भीख में मांगा था

बेटा, भीख मांगती है अब मां उस मंदिर में ने श्रोताओं को भावुक किया। कर्नल संजय चतुर्वेदी ने अपनी पंक्तियों तैरने को समुद्र नहीं चाहिए, उड़ने वालों को अंबर नहीं चाहिए के माध्यम से श्रोताओं को प्रेरित किया।

विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बढ़ाई रौनक

कार्यक्रम के दौरान युवा कवि रामायण धर द्विवेदी का जन्मदिवस भी मनाया गया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने गायन, नृत्य, वाद्ययंत्र, रैंप वॉक, अभिनय और बैंड की प्रस्तुतियों से महोत्सव में उत्साह और उमंग का माहौल बनाया।

आयोजकों ने जताया आभार

हिन्दी परिवार के संस्थापक ओमकार अवस्थी ने आयोजन की सफलता के लिए कवियों, अतिथियों, विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों, विद्यार्थियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन उद्यांश पांडे ने किया। इस अवसर पर अभिषेक राणा, मुस्कान शर्मा, यश, अन्वेय, सक्षम, राजवीर, प्रियांशी और हर्ष सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

साहित्य और संस्कृति के रंगों से सराबोर रहा आयोजन

पांच कवियों के काव्यपाठ से सजा एमसीयू महोत्सव



जागरण, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में हिन्दी परिवार के तत्वावधान में आयोजित एमसीयू महोत्सव-2026 साहित्य, संगीत और संस्कृति के रंगों के साथ संपन्न हुआ। गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कवि सम्मेलन में पांच कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने भी गायन, नृत्य, वादन, रैंप वॉक, अभिनय और बैड की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। दीप प्रच्वलन के साथ समारोह की शुरुआत हुई। हिन्दी परिवार के संस्थापक

ओमकार अवस्थी ने अतिथियों का स्वागत किया। कवि सम्मेलन में अजहर इकबाल, मणिका दुबे, रामायण धर द्विवेदी, सूरज राय सूरज और कर्नल संजय चतुर्वेदी ने काव्यपाठ किया। अजहर इकबाल की पंक्तियां, 'खुद तुम्हें दुर्गा के अवतार में ढलना होगा, घोर कलियुग है, कन्हैया नहीं आने वाला' ने श्रोताओं को प्रेरित किया। मणिका दुबे की रचना ने भावविभोर किया, जबकि रामायण धर द्विवेदी की रामभक्ति से ओतप्रोत कविता और सूरज राय सूरज की भावुक रचना को सराहना मिली। कर्नल संजय चतुर्वेदी की प्रेरक पंक्तियों ने भी खूब तालियां बटोरीं।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM NALANDA LIBRARY
DAINIK JAGRAN 15-10-2026